[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper	:	**S-53**	**E**
Unique Paper Code	:	121302405	
Name of the Paper	:	**EC-401 काव्यप्रकाश (Kāvyaprakāśa)**	
Name of the Course	:	**MA Sanskrit Examination, May 2023**	
Semester	:	IV	

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 70

Instructions for Candidates

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।
(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।
Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English.

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
Attempt all questions.

1. अधोलिखित में से किन्ही **चार** की व्याख्या कीजिए : 7x4=28
Explain any **four** of the following:

(क) मुख्यार्थहतिर्दोष: रसश्च मुख्यस्तदाश्रयाद्वाच्य:।
उभयोपयोगिन: स्यु: शब्दाद्यास्तेन तेष्वपि स:॥

अथवा / OR

वक्त्राद्यौचित्यवशाद्दोषोऽपि गुण: क्वचिन्नोभौ।

(ख) श्रुतिमात्रेणशब्दात्तु येनार्थप्रत्ययो भवेत्।
साधारण: समग्राणां स प्रसादो गुणो मत:॥

अथवा / OR

गुणवृत्या पुनस्तेषां वृत्ति: शब्दार्थयोर्मता।

(ग) वर्णसाम्यमनुप्रास:।

अथवा / OR

अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः। यमकम्।

P.T.O.

(घ) साधर्म्यमुपमा भेदे।

अथवा / OR

सामान्यं वा विशेषो वा तदन्येन समर्थ्यते।
यत्तु सोऽर्थान्तरन्यासः साधर्म्येणेतरेण वा।।

2. अधोलिखित में से किन्ही चारपर टिप्पणी लिखिए, जिनमे से एक संस्कृत में हो : 5+5+5+7=22
Write short notes any **four** of the following, in which **one** should be in **Sanskrit:**

(क) व्यभिचारी भावों की स्वशब्दवाच्यता

अथवा / OR

अङ्गिनोऽननुसन्धानम्

(ख) माधुर्यगुण **अथवा / OR** ओजोगुण

(ग) वक्रोक्ति **अथवा / OR** पुनरुक्तवदाभास

(घ) उत्प्रेक्षा **अथवा / OR** सन्देह

3. रसविरोधपरिहार के निमित्तों को सोदाहरण समझाइए। 10
Explain the causes of termination of blemishin rasas with the help of illustrations.

अथवा / OR

'वामनसम्मत सभी गुणों का अन्तर्भाव मम्मट के त्रिविध गुणों में हो सकता है',समीक्षा करें।
'All the Gunasacceptedby Vaman can be included into the threeGunas of Mammata', review it.

4. शब्दालङ्कारके रूप में श्लेष की विस्तृत विवेचना करें। 10
Discrib in detail the Śleṣa as Śabdālaṅkāra.

अथवा / OR

अप्रस्तुतप्रशंसा अलंकार के काव्यप्रकाशस्थ लक्षण को स्पष्ट करते हुए इसके पाँच प्रमुख भेदों की सोदाहरण समीक्षाकीजिए।
ExplainingAprastuta-praśamsāalaṅkāra as defined in Kāvyaprakāśa, critically analyse it'sfive prime kinds with illustrations.